Literacy for a Billion

Movie: Kati Patang
Year: 1971

Song: Yeh Sham Mastani
Lyricist: Anand Bakshi

ये शाम मस्तानी
मदहोश किए जाए
मुझे डोर कोई खींचे
तेरी ओर लिए जाए

ये शाम मस्तानी
मदहोश किए जाए
मुझे डोर कोई खींचे
तेरी ओर लिए जाए

दूर रहती है तू
मेरे पास आती नहीं
होंठों पे तेरे
कभी प्यास आती नहीं

ऐसा लगे जैसे कि तू
हँसके ज़हर कोई पीए जाए

ये शाम मस्तानी
मदहोश किए जाए
मुझे डोर कोई खींचे
तेरी ओर लिए जाए

बात जब मैं करूँ
मुझे रोक देती है क्यों
तेरी मीठी नज़र
मुझे टोक देती है क्यों

तेरी हया तेरी शरम
तेरी क़सम मेरे होंठ सीए जाए

ये शाम मस्तानी
मदहोश किए जाए
मुझे डोर कोई खींचे
तेरी ओर लिए जाए

एक रूठी हुई
तक़दीर जैसे कोई
ख़ामोश ऐसे है तू
तस्वीर जैसे कोई

तेरी नज़र बनके ज़ुबाँ
लेकिन तेरे पैग़ाम दिए जाए

ये शाम मस्तानी
मदहोश किए जाए
मुझे डोर कोई खींचे
तेरी ओर लिए जाए

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.